देख लिया जग मैंने सारा मेरे सांवरे

देख लिया जग मैंने सारा मेरे सांवरे
तेरे द्वार जैसा ना तेरे खाटू जैसा ना नज़ारा मेरे सांवरे
देख लिया जग मैंने.....

जो भी इक वारि खाटू की नगरीय
मन में बसा गया यादों की गठरिया
फिर दिल लागे ना बेचारा मेरे सांवरे
तेरे द्वार जैसा ना तेरे खाटू जैसा ना नज़ारा मेरे सांवरे
देख लिया जग मैंने.....

खाटू के कण कण में आप ही समाये हैं
जय श्री श्याम श्याम गूंजती दिशाएं हैं
बहती है भक्ति की धरा मेरे सांवरे
तेरे द्वार जैसा ना तेरे खाटू जैसा ना नज़ारा मेरे सांवरे
देख लिया जग मैंने.....

कैसे करूँ वर्णन महिमा निराली को
नीले की सवारी को कमली वो काली को
झूलते निशान वो जैकारा मेरे सांवरे
तेरे द्वार जैसा ना तेरे खाटू जैसा ना नज़ारा मेरे सांवरे
देख लिया जग मैंने.....

करे सतविंदर बयां वो लिखाई से

सोच की कलम और आंसू की स्याही से
गोल्डी धामी ने भी दिल हारा मेरे सांवरे
तेरे द्वार जैसा ना तेरे खाटू जैसा ना नज़ारा मेरे सांवरे
देख लिया जग मैंने.....

Source:
https://www.bharattemples.com/dekh-liya-jag-maine-saara-mere-sanware-tere-dwaar-jaisa-na/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw